

तीसरी कसम-2

“प्रेम गुरु की अनन्तिम रचना हे लिंग महादेव ! अगर मुझे इन छोटे छोटे चीकुओं को चूसने या मसलने का एक मौका मिल जाए तो मैं तो सब कुछ छोड़छाड़ कर इनका अमृतपान ही करता रहूँ। एक बार तो मेरे मन में आया कि उसे कह दूँ कि मेरे पास आकर रोज़ इनकी मालिश करवा [...] ...”

Story By: (premguru2u)

Posted: Tuesday, February 14th, 2012

Categories: [कोई मिल गया](#)

Online version: [तीसरी कसम-2](#)

तीसरी कसम-2

प्रेम गुरु की अनन्तिम रचना

हे लिंग महादेव ! अगर मुझे इन छोटे छोटे चीकुओं को चूसने या मसलने का एक मौका मिल जाए तो मैं तो सब कुछ छोड़छाड़ कर इनका अमृतपान ही करता रहूँ। एक बार तो मेरे मन में आया कि उसे कह दूँ कि मेरे पास आकर रोज़ इनकी मालिश करवा लिया करो या चुसवा लिया करो, देखना एक महीने में ही इनका आकार 32 तो जरूर हो जायेगा पर मैं जल्दबाजी नहीं करना चाहता था। अभी उसने ना तो अपनी कोई तस्वीर ही मुझे भेजी थी और ना ही अपना फोन नंबर ही दिया था। हाँ उसने अपनी तनाकृति के बारे में जरूर बता दिया था। उसने बताया कि उसका क़द 5 फुट 2 इंच है और वज़न 48 किलो, छाती 28, कमर 23 और नितम्ब 32 के हैं।

हे भगवान् ! कहीं यह 'दो नंबर का बदमाश' वाली निशा तो नहीं ?

कुछ दिनों बाद उसने अपना सेल नंबर भी मुझे दे दिया। अब हम दोनों देर रात गए तक खूब बातें किया करते। ऐसा नहीं था कि हम केवल उसके वक्ष की समस्या पर ही बातें किया करते थे, हम तो दुनिया-जहान के सारे विषयों पर बात करते थे। उसके प्रश्न तो हातिमताई के सवालों जैसे होते थे। जैसे टेस्ट ट्यूब बेबी, सरोगेट मदर, सुरक्षित काल, वीर्यपान, नसबंदी आदि आदि।

कई बार तो वो बहुत ही बेतुके सवाल पूछती थी, जैसे :

-चूत को चोदना कहते हैं तो गांड को मारना क्यों कहते हैं ?

-आदमियों की भी माहवारी आती है क्या ?

-बच्चे पेट से कैसे निकलते हैं ?

- क्या सभी पति अपनी पत्नियों की गांड भी मारते हैं ?
- क्या सच में गांड मरवाने वाली औरतों के नितम्ब भारी हो जाते हैं ?
- क्या पहली रात में खून ना आये तो पति को पता चल जाता है कि लड़की कुंवारी नहीं है ?क्या वीर्य पीने या चुम्बन लेने से भी गर्भ रह जाता है ?
- प्रथम सम्भोग में जब झिल्ली फटती है तो कोई आवाज भी आती है ?
- अब मैं उसे क्या समझाता कि चूत, गांड और दूध के फटने की आवाज़ नहीं आती ।

उसने फिर बिना शर्माए बताया कि उसकी छाती का उठान 13-14 साल की उम्र में थोड़ा सा हुआ था । उसके जननांगों पर बाल तो 17 वें साल में जाकर आये थे । अब भी बहुत थोड़े से ही हैं और माहवारी (पीरियड्स) शुरू हुए एक साल हुआ है जो अनियमित है और कभी कभी तो दो ढाई महीने के बाद आता है । उन तीन दिनों में तो उसे पेड़ और कमर में बहुत दर्द रहता है । जब मैंने उसकी पिक्की के भूगोल के बारे में पूछा तो वो इतना जोर से शर्माई थी कि मुझे उस रात उसके नाम की मुट्ठ लगानी पड़ी थी ।

आप सोच रहे होंगे, यार, मुट्ठ मारने के क्या जरूरत पड़ गई ?

मधु (मेरी पत्नी मधुर) आजकल लालबाई के लपेटे में है या नखरे करती है ?

ओह...

माफ़ करना, मैं बताना ही भूल गया । इन दिनों मैं प्रतिनियुक्ति (डेपुटेशन) पर अहमदाबाद आया हुआ था । 4 हफ्ते रुकना था । मधु तो इन दिनों जयपुर में अपने भैया और भाभी के पास छुट्टियाँ मना रही है ।

अरे... मैं भी क्या फजूल बातें ले बैठा । मैं पलक की बात कर रहा था जिसने मेरी नींद और चैन दोनों उड़ा दिए थे । मैं इन दिनों बस उसी की याद में दिन रात खोया रहने लगा था ।

उसे सेक्स के बार में ज्यादा कुछ पता नहीं था। बस सुहाना (उसकी सहेली) के कहने पर उसने मेरी एक दो कहानियाँ पढ़ी थी और वो यही सोचती रहती थी कि सभी को बड़े बड़े उरोज और नितम्ब पसंद होते हैं और सभी अपनी प्रेमिकाओं और पत्नियों की गांड भी मारते हैं। मैं तो उसकी इस मासूमियत पर मर ही मिटा।

मैंने जानता था यह लेट प्युबर्टी (देरी से यौवनारंभ) और हारमोंस की गड़बड़ी का मामला था। मेरा दावा है अगर वो 2-4 महीने तसल्ली से चुद जाए और वीर्यपान कर ले तो खिलकर कलि से फूल बन जायेगी। आप तो जानते ही होंगे कि छोटे छोटे उरोजों वाली कन्याएं ही तो आगे चलकर रति (सुन्दर कामुक स्त्री) बनती हैं।

उसने बूब्स की सर्जरी के बारे में भी पूछा था पर उसके साइड इफेक्ट जानकार वो थोड़ा निराश हो गई। मैंने उसे वक्ष-आकार बढ़ाने के सम्बन्ध में कुछ घरेलू नुस्खे (टिप्स) भी बताये थे, जैसे नहाने से पहले उरोजों पर रोज़ नारियल या जैतून (ऑलिव आयल) के तेल की मालिश, पौष्टिक आहार, विशेष व्यायाम और गर्म ठण्डे जल की थेरेपी (वाटर थेरेपी) आदि। उसे यह सब बड़ा झंझट वाला काम लगता था। वह तो कोई ऐसी दवाई चाहती थी जिसे खाने या लगाने से रातों रात उसके स्तन बढ़ जाएँ।

एक दिन मैंने उसे मज़ाक में कह दिया कि अगर तुम कुछ दिनों तक इनको किसी से चुसवा लो तो ये जल्दी बढ़ जायेंगे,

तो वो तुनक गई और नाराज़ होकर बोली, 'हटो आगाह... खतोड़ा... हवे हु तमाई साथे क्यारे पण वात नहीं करू' (हटो परे.. झूठे कहीं के .. अब मैं कभी आपसे बात नहीं करूंगी)

मैं तो उसकी मासूमियत पर जैसे निस्सार ही हो गया था। वही मिक्की और सिमरन वाली मासूमियत और चुलबुलापन। बात बात पर रूठ जाना और फिर खिलखिला कर हंसने की कातिलाना अदा तो मुझे उस ऊपर कुर्बान ही हो जाने को मजबूर कर देता।

‘देखो अगर तुम इस तरह गुस्सा करोगी तो रात को तुम्हारे सपनों में देवदूत आएगा और तुम्हें डराएगा !’

‘कौन देवदूत ?’

‘देवदूत यानी फरिश्ता !’

‘पण ए मने केम डरावशे ?’ (पर वो मुझे क्यों डराएगा ?)

‘तुम परी हो ना !’

‘तो ?’

‘उसे मुस्कुराती हुई खूबसूरत परियाँ बहुत अच्छी लगती हैं और जब कोई परी गुस्सा होती है तो उसे बहुत बुरा लगता है !’

‘हटो आघा...कोई देवदूत नथी होतो’ (हटो परे ... कोई देव दूत नहीं होता) वो खिलखिला कर हंस पड़ी।

‘पलक तुम बहुत खूबसूरत हो ना इसलिए देवदूत तुम्हारे सपनों में जरूर आएगा और तुम्हें आशीर्वाद भी देगा !’

‘तमे केवी रीते खबर के हु खूबसूरत (सुंदर) छु ??? तमे मने क्या जोई छे ?’ (आपको कैसे पता मैं खूबसूरत हूँ ? आपने मुझे अभी कहाँ देखा है ?)

‘ओह.. मैंने पराविज्ञान से जान लिया है ! मैंने हँसते हुए कहा।

‘अच्छा जी... ?’ इस बार उसने ‘हटो परे झूठे कहीं के’ नहीं बोला था।

उसकी मासूमियत देख कर तो मेरे होंठों से बस यही निकलता :

वो कहते हैं हमसे कि अभी उम्र नहीं है प्यार की

नादाँ है वो क्या जाने कब कलि खिले बहार की

अब तो वो निसंकोच होकर सारी बातें करने लगी थी। मैंने उसे समझाया कि यह सब हारमोंस की गड़बड़ के कारण होता है। हमारा जैसा खानपान, विचार या सोच होगी उसी तरह हमारे दिमाग का कंप्यूटर हारमोंस छोड़ने का आदेश देता रहता है। अगर तुम मेरे साथ रोज़ कामोत्तेजक (सेक्सी) बातें करती रहो तो हो सकता है तुम्हारे भी हारमोंस बदलने लगें और तुम्हारे वक्ष व नितम्बों का आकार बढ़ कर 36 हो जाए। जब मैंने उसे बताया कि अगर चूचियों को रोज़ मसला जाए तो भी इनका आकार बढ़ सकता है तो वो खुशी के मारे झूम ही उठी।

मैंने उसे कहा- तुम मुझे अपनी छाती की एक फोटो भेज दो तो मैं उन्हें ठीक से देख कर उचित सलाह दे सकता हूँ ताकि कोई साइड ईफेक्ट ना हों।

पर इतना जल्दी वो कहाँ मानने वाली थी, कहने लगी- आप तो उम्र में मेरे से बहुत बड़े हो, मैं ऐसा कैसे कर सकती हूँ? मुझे बहुत शर्म आती है ऐसी बातों से।

‘पलक, तुम शायद सोचती होगी कि मैं तुम जैसी खूबसूरत लड़कियों के पीछे किसी यौन विकृत व्यक्ति की तरह घूमता फिरता रहता हूँ या किसी भी तरह उनका कोई नाजायज़ फायदा उठाने की कोशिश में रहता हूँ?’

‘मैंने ऐसा कभी (कब) बोला? नहीं सर, मैं आपके बारे में ऐसा कभी सपने में भी नहीं सोच सकती। आप तो सभी की मदद करने वाले इंसान हैं। मैंने आपसे दोस्ती बहुत सोच समझ कर की है ना कि किसी मजबूरी के कारण!’

‘पलक, यह सच है कि मुझे युवा होती लड़कियाँ बहुत अच्छी लगती हैं मैं उनमें अपनी सिमरन और मिक्की को देखता हूँ पर इसका यह मतलब कतई नहीं है कि मैं किसी भी तरह उनका यौन शोषण करने पर आमादा रहता हूँ।’

मैंने उसे समझाया कि अगर वो वास्तव में ही अपने वक्ष और नितम्बों को बढ़ाना चाहती है तो उसे यह शर्म छोड़नी ही पड़ेगी तो वह मान गई। मैंने उसे यह भी समझाया कि डाक्टर और गुरु से शर्म नहीं करने चाहिए। अब तुम अगर सच में मेरी अच्छी शिष्य बनाना चाहती हो और मेरे ऊपर विश्वास करती हो तो अपने वक्ष की फोटो भेज दो नहीं तो तुम जानो तुम्हारा काम जाने।

थोड़ी ना-नुकर के बाद वो मान गई और उसने मोबाइल से अपने वक्ष की दो तीन तस्वीरें उतार कर मुझे भेज दी। पर साथ में यह भी कहा कि मैं इन तस्वीरों को किसी दूसरे का ना दिखाऊँ।

हे भगवान ! गुलाबी रंग के दो चीकू जैसे उरोज और उनका एरोला कोई एक रूपए के सिक्के जितना बड़ा गहरे लाल रंग का था। बीच में चने के दाने से भी छोटी गुलाबी रंग की घुन्डियाँ !

या खुदा ! अगर इनको रसगुल्लों की तरह पूरा मुँह में लेकर चूस लिया जाए तो बंदा जीते जी जन्नत में पहुँच जाए।

कभी कभी तो मुझे लगता जैसे मेरी मिक्की फिर से पलक के रूप में दुबारा आ गई है। मैं तो पहरोँ आँखें बंद किये यही सोचता रहता कि अभी पलक आएगी और मेरी गोद में बैठ जाएगी जैसे कई बार मिक्की अपने दोनों पैरों को चौड़ा करके बैठ जाया करती थी। फिर मैं हौले-हौले उसके चीकुओं को मसलता रहूँगा और उसके कमसिन बदन की खुशबू से रोमांचित होता रहूँगा। कई बार तो मुझे लगता कि मेरा पप्पू तो पैट में ही अपना सिर

धुनते हुए ही शहीद हो जाएगा।

मैंने एक दिन फिर से उसे बातों बातों में कह दिया- पलक, अगर तुम कहो तो मैं इन्हें चूस कर बड़ा कर देता हूँ।

मेरा अंदाज़ा था कि वो शरमा जायेगी और सिमरन की तरह तुनकते हुए मुझे कहेगी 'छूट... घेलो दीकरो !'

पर उसने उसी मासूमियत से जवाब दिया, 'पण तमे तो भरतपुर माँ छो तो अहमदाबाद केवी रीते आवशो ?' (पर आप तो भरतपुर में हो, आप अहमदाबाद में कैसे आयेंगे ?)

सच कहूँ तो मुझे अपनी कमअक्ली (मंदबुद्धि) पर आज बहुत तरस आया। मैंने उससे दुनिया जहान की बातें तो कर ली थी पर उसके शहर का नाम और पता तो पूछना ही भूल गया था।

हे लिंग महादेव ! तू जो भी करता है सब अच्छे के लिए ही करता है। मेरा अहमदाबाद में डेपुटेशन पर आना भी लगता है तेरी ही रहमत (कृपा) से ही हुआ लगता है। मैं तो उस बेचारे अजीत भोंसले (हमारा चीफ) को बेकार ही गालियाँ निकाल रहा था कि मुझे कहाँ भेज दिया। मेरा दिल जोर जोर से धड़कने लगा था। मुझे तो लगा मेरा दिल हलक के रास्ते बाहर ही आ जाएगा। मुझे तो उम्मीद ही नहीं थी कि यह अहमदाबाद का चीकू मेरी झोली में इस प्रकार टपक पड़ेगा।

'अरे मेरी परी ! तुम कहोगी तो मैं भरतपुर तो क्या बैकुंठ भी छोड़कर तुम्हारे पास आ जाऊँगा !'

'सच्चु ? खाओ मारा सम्म ?' (सच्ची ? खाओ मेरी कसम ?)

‘हाँ हाँ मेरी पलक ! मैं सच कहता हूँ !’

‘तमे पाक्कू आवशो ने मारा माते ? म.. मारो अर्थ छे के पेती जल थेरेपी सारी रीति देवशो ने ? (आप पक्का आओगे ना मेरे लिए ? म. मेरा मतलब है वो जल थेरेपी वगैरह ठीक से समझा दोगे ना ?)

‘हाँ.. हाँ.. जरूर ! वो सब मैं तुम्हें प्रेक्टिकल करके सब कुछ अच्छी तरह से समझा दूँगा, तुम चिंता मत करो।’

‘ओह.. सर, तमे केटला सारा छो.. आभार तमारो’ (ओह... सर, आप कितने अच्छे हैं थैंक्यू)

‘पलक...’

‘हुं...’

‘पर तुम्हें एक वचन देना होगा !’

‘केवू वचन ? (कैसा वचन ?)

‘बस तुम शर्माना छोड़ देना और जैसा मैं समझाऊँ वैसे करती रहना !’

‘ऐ बधू तो ठीक छे पण तमे केवू आवशो ? अने आवया पेला मने कही देजो.. भूली नहीं जाता ? कई गाड़ी थी, केवू, केटला वगे आवशो ?’ (वो सब ठीक है पर आप कब आओगे ? आने से पहले मुझे बता देना.. भूल मत जाना ? कौन सी गाड़ी से, कब, कितने बजे आओगे)

मेरे मन में आया कह दूँ ‘मेरी छप्पनछुरी मैं तो तुम्हारे लिए दुनिया भर से रिश्ता छोड़ कर अभी दौड़ा चला आऊँ’ पर मैंने कहा, ‘मैं अहमदाबाद आने का कार्यक्रम बना कर जल्दी ही तुम्हें बता दूँगा।’

आज मेरा दिल बार बार बाँके बिहारी सक्सेना को याद कर रहा था। रात के दो बजे हैं और वो उल्लू की दुम इस समय जरूर यह गाना सुन रहा होगा :

अगर तुम मिल जाओ, ज़माना छोड़ देंगे हम
तुम्हें पाकर ज़माने भर से रिश्ता तोड़ लेंगे हम

कहानी जारी रहेगी !
प्रेम गुरु नहीं बस प्रेम



Other stories you may be interested in

बारिश में भीगती अनजान लड़की

नमस्कार पाठको.. मेरा नाम कपिल है और मैं 5.11 फुट का एक अविवाहित युवक हूँ और जिम का शौकीन हूँ जिसके चलते मेरा शरीर काफी भरा हुआ और अच्छा दिखता है। अन्तर्वासना मेरी पसंदीदा साइट है जहाँ मैं अपनी वासना [...]

[Full Story >>>](#)

प्रशंसिका ने दिल खोल कर चूत चुदवाई-11

शाम को ऑफिस से लौटते समय मैंने रचना के लिये एक पारदर्शी गाउन खरीदा, शाम को मुझे लौटने में देर हो गई, लगभग 9 बजे मैं ऑफिस से लौटा तो मुझे कमरा बाहर से लॉक मिला। मुझे याद आया रचना [...]

[Full Story >>>](#)

मेरा गुप्त जीवन- 155

गर्ल्स हास्टल की नैसी और मेहमान चंचल भाभी की चुदाई मैंने धीरे धीरे लंड को नैसी की चूत के अंदर बाहर करना शुरू किया ही था कि बाहर से दरवाजा खटका और दरवाजा खोल कर वार्डन मैडम घबराई हुई अंदर [...]

[Full Story >>>](#)

विरह की आग में सुनयना की चुदास

मेरे प्यारे पाठक दोस्तो, आप सभी को मेरा प्रणाम.. मैं दिल्ली से हूँ और अन्तर्वासना की कहानियाँ रोज़ पढ़ता हूँ मैं 25 का जवान हट्टा-कट्टा मर्द हूँ.. रोज़ जिम जाता हूँ.. मुझे शादी-शुदा औरतें बहुत पसंद हैं क्योंकि उनकी बड़ी [...]

[Full Story >>>](#)

प्रशंसिका ने दिल खोल कर चूत चुदवाई-9

थोड़ी देर तक बरसात में भीगने का आनन्द लिया, फिर नीचे आकर शावर के नीचे दोनों एक दूसरे से चिपक कर नहाये। अब जाकर हम लोगो को ठंड का अहसास होने लगा था इसलिये दोनों ने नंगे रहने का इरादा [...]

[Full Story >>>](#)



Other sites in IPE

Bangla Choti Kahini



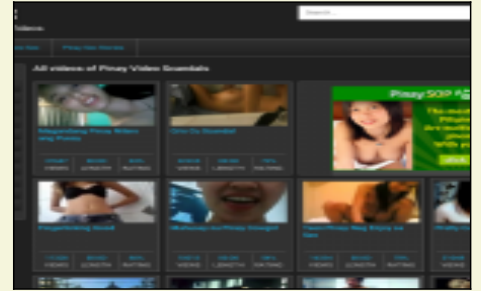
বাংলা ভাষায় নুতন বাংলা চটি গল্প, বাংলা ফটে বাংলাদেশী সেক্স স্টোরি, বাংলা পানু গল্প ও বাংলা চোদাচুদির গল্প সংগ্রহ নিয়ে হাজির বাংলা চটি কাহিনী

Pinay Sex Stories



Araw-araw may bagong sex story at mga pantasya.

Pinay Video Scandals



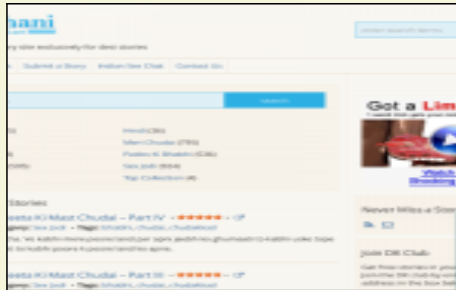
Manood ng mga video at scandals ng mga artista, dalaga at mga binata sa Pilipinas.

Tamil Scandals



சிறந்த தமிழ் ஆபாச இணையதளம்

Desi Kahani



India's first ever sex story site exclusively for desi stories. More than 3,000 stories. Daily updated.

IndianPornVideos.com



Indian porn videos is India's biggest porn video tube site. Watch and download free streaming Indian porn videos here.